जदो दुनिया ने आँख मेतो फेरी

जदो दुनिया ने आँख मेतो फेरी,
गुरां ने मेरी बाह फड़ लई,
मेरी तार दिति दुभि दी होइ बेड़ी,
गुरां ने मेरी बाह फड़ लई,

ठोकर वि मरियाँ सी जदो ऐ समाज ने,
दिगदा उठाया पंक्षी मेरे महाराज ने,
सिर झुल्दी सी दुखा दी हनेरी,
गुरां ने मेरी बाह फड़ लई,

रेहमत ओह्दी दा किंज करा शुकराना मैं,
कौन मेरे गुरु जेहा घूमिया ज़माना मैं,
मैनु तारया रता ना लाइ देरी,
गुरां ने मेरी बाह फड़ लई

जांदा सी कौन तेरे बचड़े निमाने न,
चरनी लगा के मान दिता सेवादार न,
बिना नाम दे घडी न लेंगे मेरी,
गुरां ने मेरी बाह फड़ लई

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5789/title/jado-duniya-ne-akh-meto-pheri-gura-ne-meri-baah-fad-laai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |